A–0625

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DVS-101

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

वास्तुशास्त्र का परिचय व स्वरूप

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वास्तुशास्त्र के परिचय पर लघु निबन्ध प्रस्तुत कीजिए।

2. वास्तुशास्त्र के प्रयोजन को स्पष्ट करते हुए वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक आचार्यों पर विस्तृत विमर्श लिखिए।

3. वास्तुशास्त्र में पञ्चमहाभूतों के स्वरूप पर विस्तृत चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

4. दिक्साधन में महत्व एवं आवश्यकता को रेखाङ्कित करते हुए दिक् साधन की विधियाँ सचित्र प्रस्तुत कीजिए।

5. वास्तुशास्त्र में भूमिचयन पर विस्तृत आलेख प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पुराणों में वास्तुशास्त्रीय चिन्तन को निरूपित कीजिए।

2. दिक्साधन एवं उसके स्वरूप पर आलेख प्रस्तुत कीजिए।

3. वास्तुशास्त्र के प्रसिद्ध आचार्यों विश्वकर्मा, मय एवं भोजराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए।

4. भूमि के प्रकारों पर विस्तृत आलेख लिखिए।

5. वर्तमान में वास्तुशास्त्र के स्वरूप एवं आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

6. भूखण्ड का विस्तार एवं कटाव पर चिन्तन प्रस्तुत कीजिए।

7. वास्तुक्षेत्र में कितने प्रकार की वीथियाँ हैं ? उनके लक्षणों का वर्णन कीजिए।

8. भूमि के आकार एवं ढ़लान किस प्रकार शुभाशुभ होते हैं ? विस्तृत विवेचना कीजिए।

****